लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति

प्रस्तुतकर्ता

सूघर मूर्ख राजा

लेखक: Edward Hughes
अनुवादकः सुरेश मसीह
ब्याख्याकर: Janie Forest
अनुकूलित: Lyn Doerksen

कहानी 18 से 60

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

शमूएल, इजरायल क न्यायी अउर अगुआ अब बूढ़ हो गइलन। उ परमेश्वर की सेवा में उनकर जगह लेबे की खातिर अउर इस्राएल क न्यायी बने खातिर अपनी लइकन के नियुक्ति कइलन।

1

लेकिन शमूएल क बेटा दुष्ट रहलन सअ। उ पइसा से पीयार करत अउर बेईमानी से पइसा कमाये की खातिर अपनी शक्ति क इस्तेमाल कइलन सअ।

2

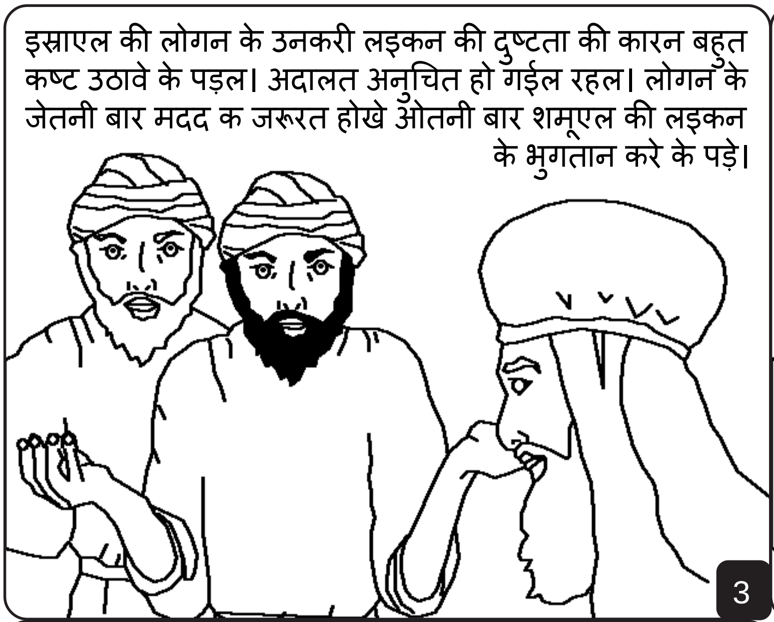
इस्राएल की लोगन के उनकरी लइकन की दुष्टता की कारन बहुत कष्ट उठावे के पड़ल। अदालत अनुचित हो गईल रहल। लोगन के जेतनी बार मदद क जरूरत होखे ओतनी बार शमूएल की लइकन के भुगतान करे के पड़े।
3

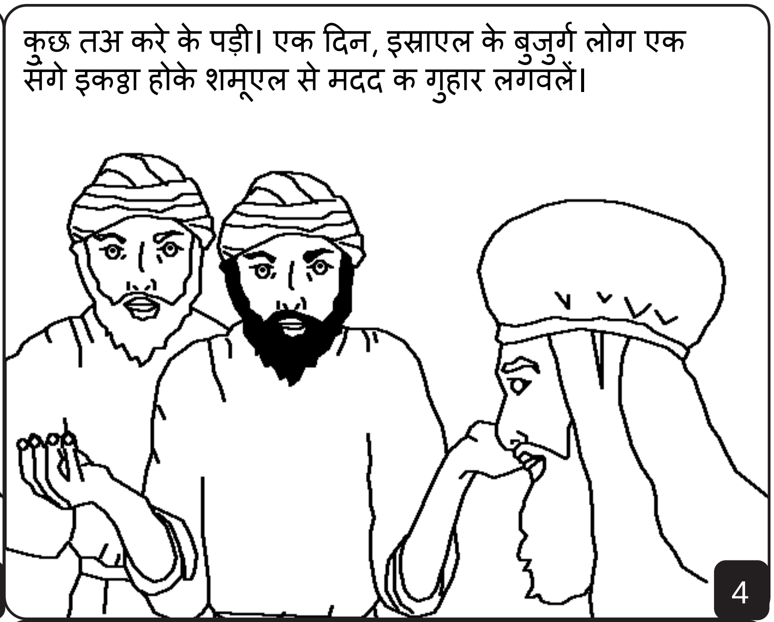
कुछ तअ करे के पड़ी। एक दिन, इस्राएल के बुजुर्ग लोग एक संगे इकट्ठा होके शमूएल से मदद क गुहार लगवलें।
4

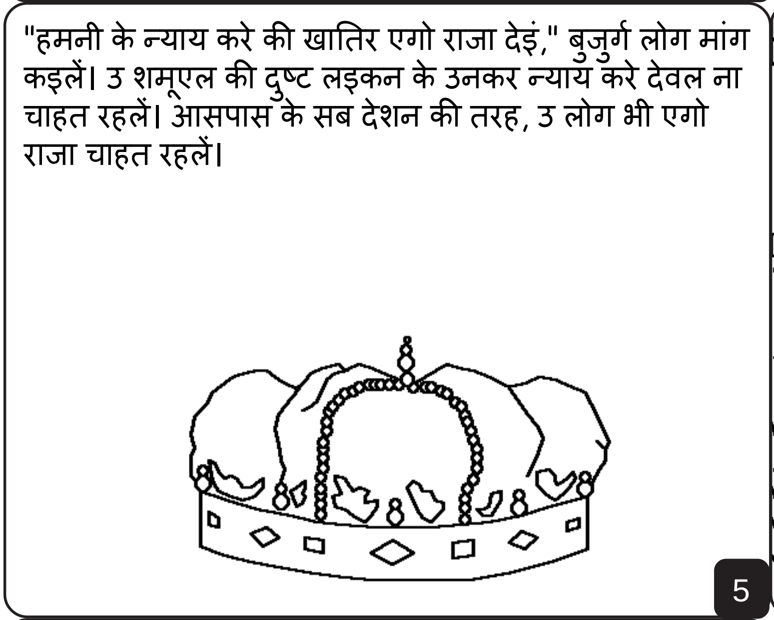
"हमनी के न्याय करे की खातिर एगो राजा देइं," बुजुर्ग लोग मांग कइलें। उ शमूएल की दुष्ट लइकन के उनकर न्याय करे देवल ना चाहत रहलें। आसपास के सब देशन की तरह, उ लोग भी एगो राजा चाहत रहलें।
5

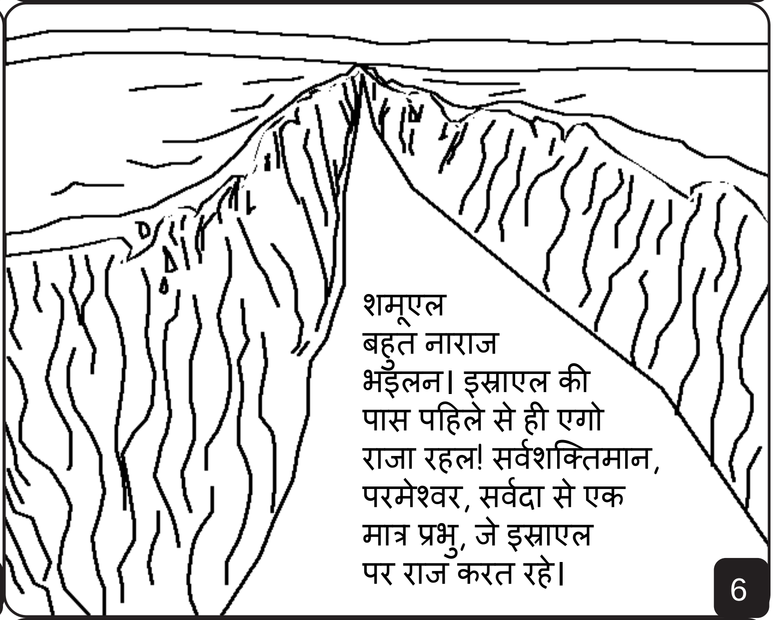
शमूएल बहुत नाराज भइलन। इस्राएल की पास पहिले से ही एगो राजा रहल! सर्वशक्तिमान, परमेश्वर, सर्वदा से एक मात्र प्रभु, जे इस्राएल पर राज करत रहे।
6

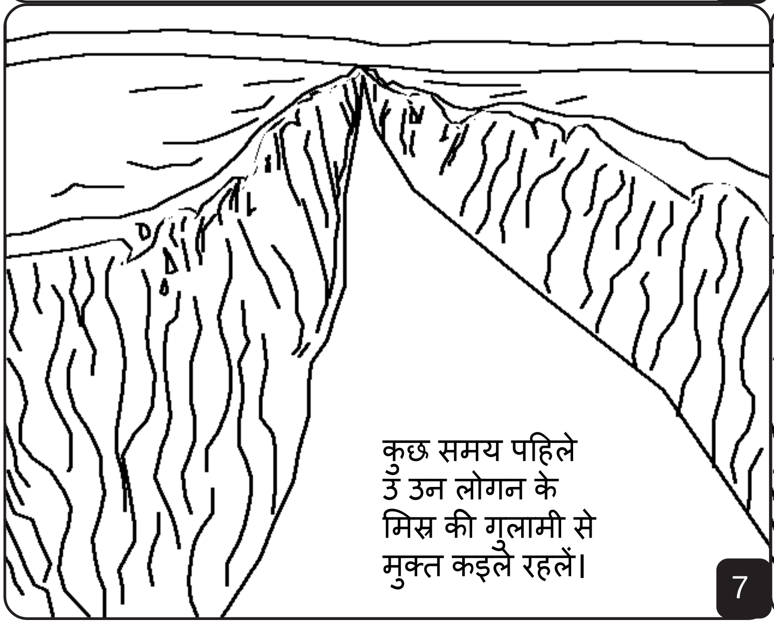
कुछ समय पहिले उ उन लोगन के मिस्र की गुलामी से मुक्त कइले रहलें।
7

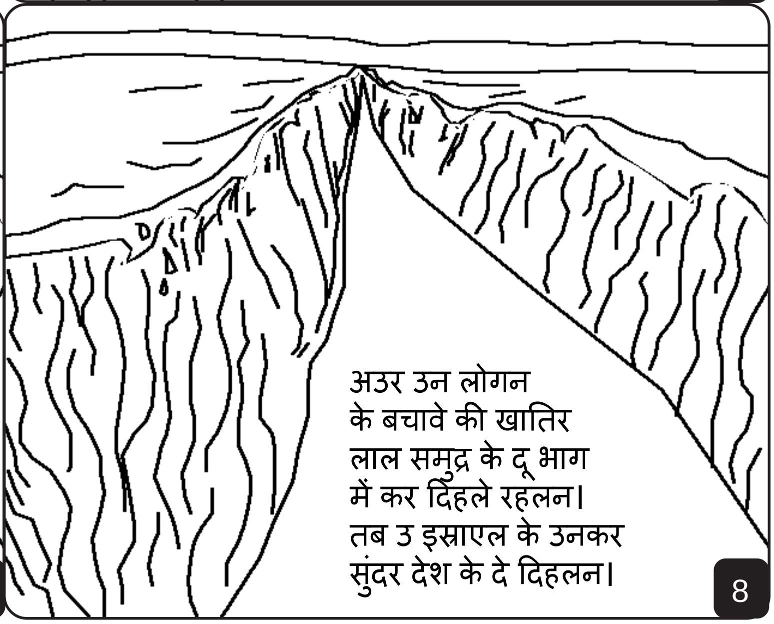
अउर उन लोगन के बचावे की खातिर लाल समुद्र के दू भाग में कर दिहले रहलन। तब उ इस्राएल के उनकर सुंदर देश के दे दिहलन।
8

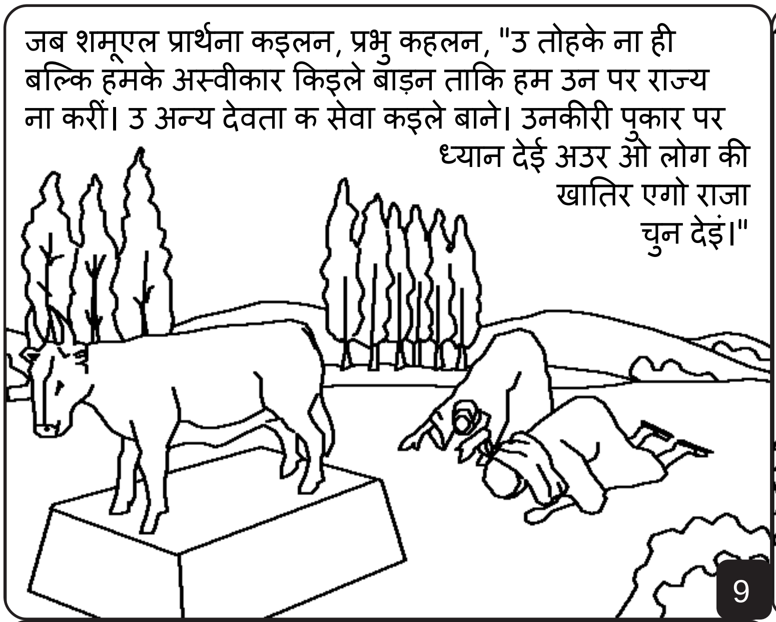
जब शमूएल प्रार्थना कइलन, प्रभु कहलन, "उ तोहके ना ही बल्कि हमके अस्वीकार किइले बाड़न ताकि हम उन पर राज्य ना करीं। उ अन्य देवता क सेवा कइले बाने। उनकीरी पुकार पर ध्यान देईं अउर ओ लोग की खातिर एगो राजा चुन देइं।"
9

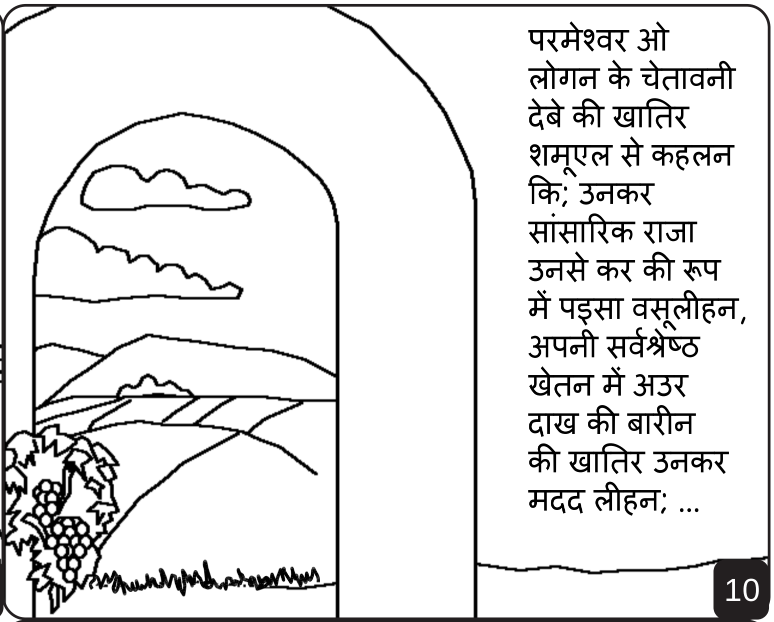
परमेश्वर ओ लोगन के चेतावनी देबे की खातिर शमूएल से कहलन कि; उनकर सांसारिक राजा उनसे कर की रूप में पइसा वसूलीहन, अपनी सर्वश्रेष्ठ खेतन में अउर दाख की बारीन की खातिर उनकर मदद लीहन; ...
10

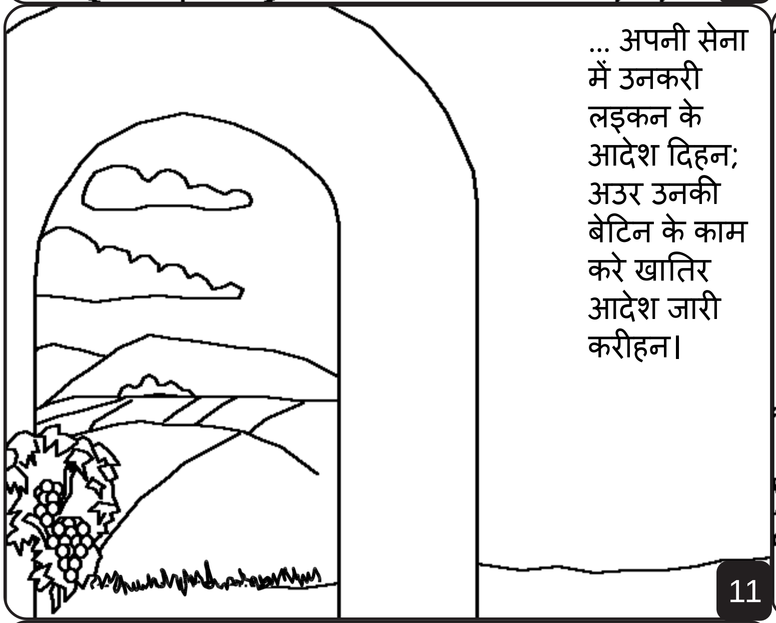
... अपनी सेना में उनकरी लइकन के आदेश दिहन; अउर उनकी बेटिन के काम करे खातिर आदेश जारी करीहन।
11

शाही दाख क बारी
बर्जित
लेकिन लोग कइसे भी एगो राजा चाहत रहलें।
12

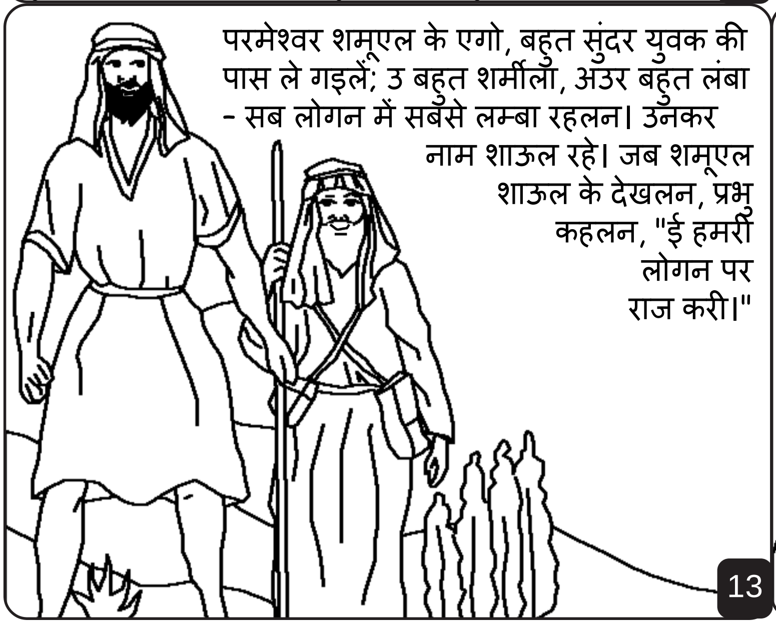
परमेश्वर शमूएल के एगो, बहुत सुंदर युवक की पास ले गइलें; उ बहुत शर्मीला, अउर बहुत लंबा - सब लोगन में सबसे लम्बा रहलन। उनकर नाम शाऊल रहे। जब शमूएल शाऊल के देखलन, प्रभु कहलन, "ई हमरी लोगन पर राज करी।"
13

आज्ञाकारीता से, शमूएल शाऊल के इस्राएल क राजा की रूप में अभिषेक कइलन। जब उ इस्राएल की लोगन की सामने शाऊल के प्रस्तुत कइलन, उ लोग चिल्लइलन, "राजा चिरंजीव रहे!"
14

जल्दी ही राजा शाऊल क परीक्षा भइल। अम्मोनी लोग जे सब इस्राएल से नफरत करत रहलन। इस्राएल की एगो शहर के घेर लिहलन अउर हर आदमी क दहिना आंख बाहर निकलला क धमकी दिहलें। का ही क्रूर योजना रहल!

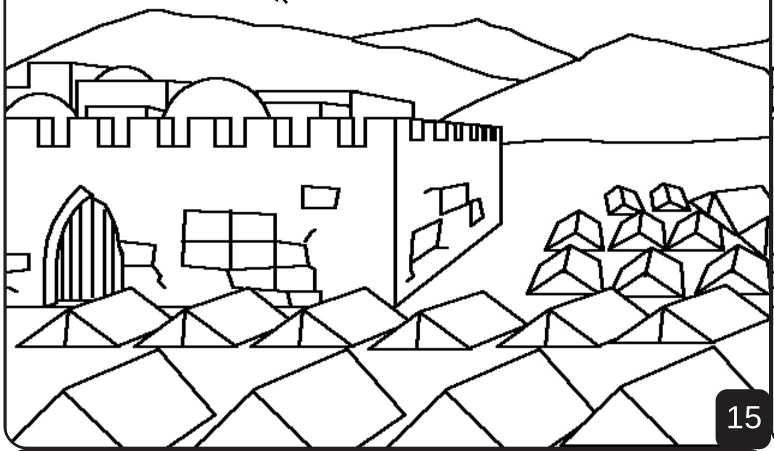

15

खतरा क समाचार राजा शाऊल तक पहुंचल। उ अपनी सेना की संगे तैयार हो गइलन।

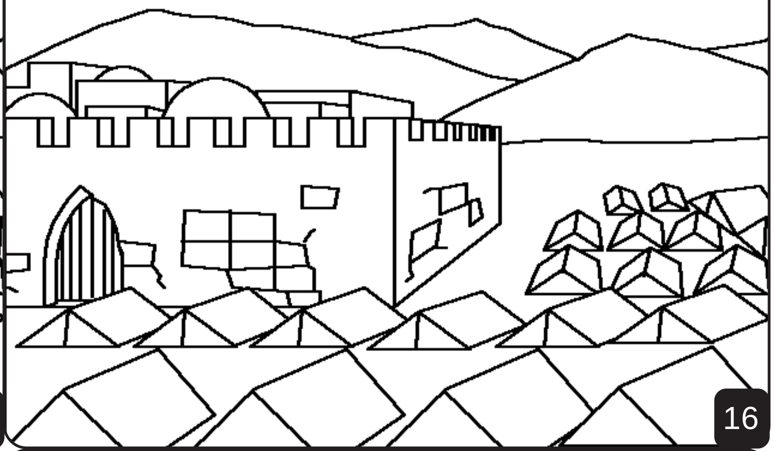

16

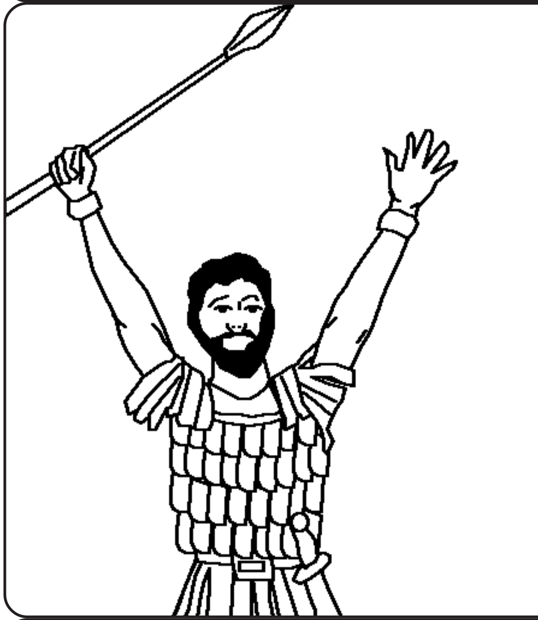

जब दूनो सेना आमने सामने मिलल तब शाऊल अम्मोनियन के नष्ट कर शहर के बचा लिहलें। राजा शाऊल परमेश्वर के महिमा दिहलें "आज इस्राएल में परमेश्वर उद्धार के पूरा कइलन हअ!"

17

परमेश्वर ओ दिन शाऊल के एगो महान जीत दिहलन। परन्तु शाऊल परमेश्वर के हमेशा सम्मान ना दिहलन। एक दिन, पलिश्तियन से लड़ला से पहिले, शाऊल परमेश्वर खातिर एगो बलिदान चढ़वलन। उनके मालूम रहल की ई शमूएल क काम हअ।

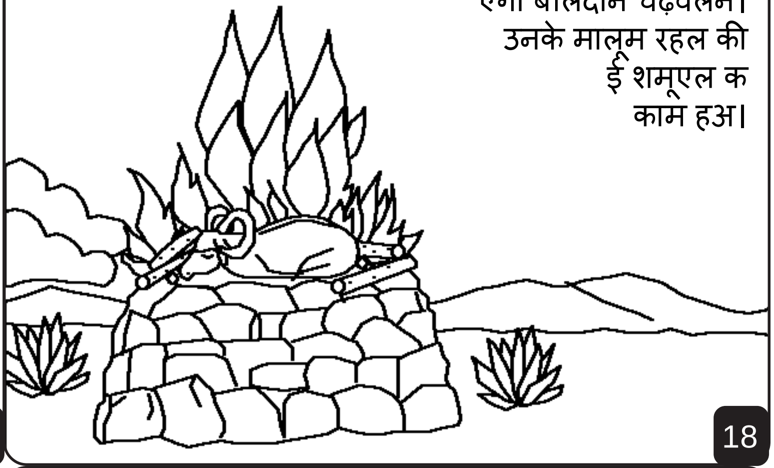

18

उ ईहो जनत रहलन कि परमेश्वर चाहत बाड़न की जब तक शमूएल न आवें उ उनकर इंतजार करें। लेकिन शाऊल परमेश्वर क बात ना मनलें!

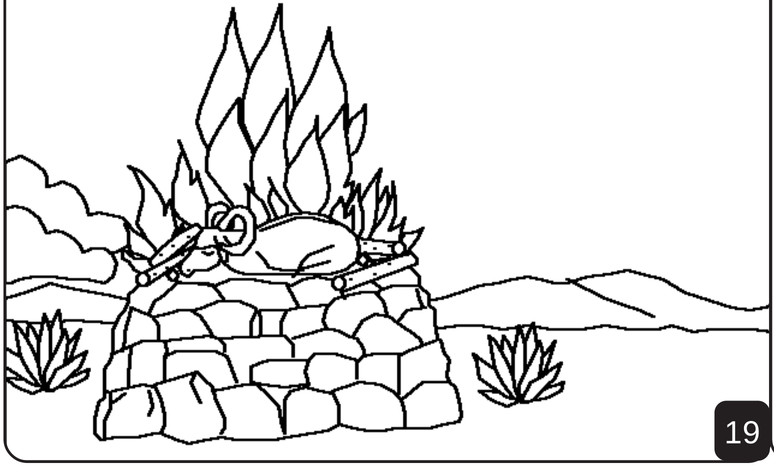

19

जब शमूएल पहुंचलन, उ शाऊल से कहलन "तू मूर्खता क काम कइले बड़अ" तू अपनी परमेश्वर यहोवा की आज्ञा के ना मानलअ हअ। "अब तोहार राज्य हमेशा खातिर ना रही।"

20

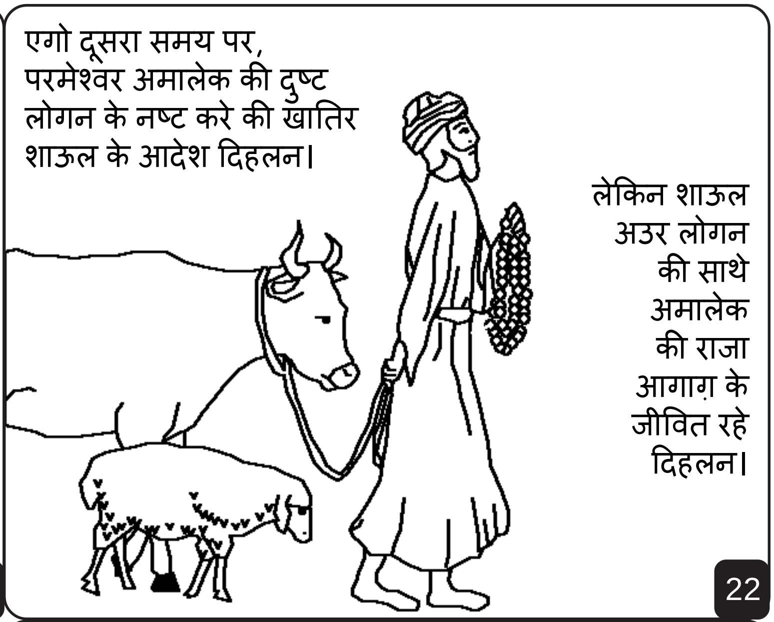

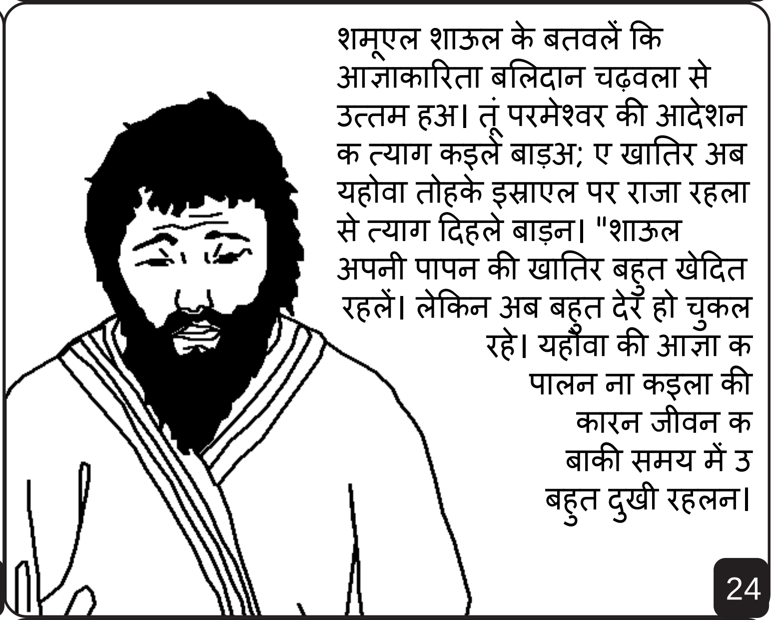

सूघर मूर्ख राजा

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

1 शमूएल 8-16

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कही : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउआ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !